‘स्टेप वदि रफि्यूजी’ अभयिान

प्रीलमि्स के लयि:

‘स्टेप वदि रफि्यूजी’ अभयिान, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त

मेन्स के लयि:

वशि्व में शरणार्थी समस्याएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (United Nations High Commissioner for Refugees-UNHCR) द्वारा प्रारंभ कयि गए**स्टेप वदि रफि्यूजी’ (Step with Refugee)** अभयिान में कई भारतीय व्यक्तयिों द्वारा भाग लयिा जा रहा है।

मुख्य बदिु:

- कई भारतीय तथा अन्य देशों के व्यक्तशिरणार्थी समस्या को समझने के संदर्भ में इस अभयिान में भाग ले रहे हैं।

क्यों प्रारंभ कयिा गया अभयिान?

- पूरे वशि्व में कई ऐसे परविार हैं जनि्हें पलायन के लयि मज़बूर कयिा गया है तथा वे जीवति रहने के लयि असाधारण प्रयास करते हैं।
- ऐसे समय में जब अधकि-से-अधकि परविार वभिन्नि वैश्वकि संकटों के कारण अपने घरों से पलायन के लयि मज़बूर हो रहे हैं, UNHCR द्वारा उनके परविारों को सुरक्षति रखने के लयि तथा उनके जुझारूपन और दृढ़ संकल्प का सम्मान करने के लयि इस अभयिान की शुरुआत की गई है।
- इस सामूहकि प्रयास के माध्यम से वैश्वकि एकजुटता स्थापति करने, शरणार्थयिों के संबंध में बेहतर समझ बनाने और शरणार्थयिों की रक्षा के लयि धन जुटाने के साथ-साथ उनके जीवन के पुनर्नरि्माण में सहायता की जाएगी।

क्या है स्टेप वदि रफि्यूजी’ अभयिान?

- इस अभयिान में भाग लेने वाले व्यक्तयिों द्वारा 12 महीनों में दो बलियिन कलिोमीटर की दूरी तय करने के लयि स्वयं को चुनौती दी जाएगी क्योंकवि वशि्व में शरणार्थयिों द्वारा अपनी सुरक्षा के लयि हर वर्ष लगभग इतने कमिी. की यात्रा तय की जाती है।
- इस अभयिान में प्रतभिागी पैदल चलकर, साइकलि चलाकर या दौड़कर शामलि हो सकते हैं तथा फटिनेस एप फटिबटि, स्ट्रवा या गूगलफटि के माध्यम से भी आंदोलन में शामलि हो सकते हैं और वे जतिने कलिोमीटर तक यात्रा करेंगे वह अभयिान में स्वतः जुड़ जाएगा।
- इस अभयिान में प्रतभिागयिों को एक ऑनलाइन कोच की सहायता देने की भी सुवधिा है।
- इस अभयिान के तहत UNHCR कई शरणार्थयिों की दुखद और साहसकि यात्राओं को भी वशि्व के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

शरणार्थयिों की बेहतर समझ का नरि्माण:

- UNHCR ने शरणार्थयिों को लेकर फैली कई तरह की भ्रांतयिों को नम्निलखिति तथ्यों के माध्यम से दूर करने का प्रयास कयिा है-
    - शरणार्थी हमेशा युद्ध या उत्पीड़न के कारण दूसरे देशों में जाने के लयि मजबूर होते हैं। उन्हें "शरणार्थी" के रूप में मान्यता इसलयि दी जाती है, क्योंकि उनके लयि प्रवासयिों के समान घर वापस आना बहुत जोखमिपूर्ण होता है।

शरणार्थी एवं प्रवासी के मध्य अंतर:

- शरणार्थी अपने देश में उत्पीड़न अथवा उत्पीड़ति होने के भय से पलायन को मज़बूर होते हैं। जबकि प्रवासी का अपने देश से पलायन वभिन्नि कारणों

जैसे-रोज़गार, परविार, शक्षिा आदि के कारण भी हो सकता है कति इसमें उत्पीड़न शामलि नहीं है।
- इसके अतरिक्ति प्रवासी को (चाहे अपने देश में हो अथवा अन्य देश में) को स्वयं के देश द्वारा वभिन्नि प्रकार के संरक्षण का लाभ प्राप्त होता रहता है।

  - अधकिांश शरणार्थी घर के नकिट रहने के लयि पड़ोसी देशों में सर्वाधकि पलायन करते हैं, इनमें से केवल 1% अन्य देशों में जाकर बसते हैं।
  - दुनयिा भर में, एक तहिाई से भी कम लोग शरणार्थी शवरिों में रहने को मजबूर हैं। अधकिांश शरणार्थी जीवन-यापन के लयि शहरों और कस्बों में जीवति रहने के लयि संघर्ष कर रहे हैं।

भारत में शरणार्थयिों की समस्या:

- भारत भी पड़ोसी देशों बांग्लादेश, पाकसि्तान, नेपाल, तब्बित और म्यांमार से आने वाले शरणार्थयिों की समस्या से जूझ रहा है। वर्तमान में रोहगि्या, चकमा-हाजोंग, तब्बिती और बांग्लादेशी शरणार्थयिों के कारण भारत मानवीय, आंतरकि सुरक्षा आदि समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि भारत भी शरणार्थयिों के संबंध में एक ऐसी घरेलू नीति तैयार करे, जो धर्म, रंग और जातीयता की दृष्टि से तटस्थ हो तथा भेदभाव, हसिा और रक्तपात की वकिराल स्थति से उबारने में कारगर हो।

वैश्वकि शरणार्थी संकट तथा आगे की राह:

- शरणार्थी संकट वशि्व के समक्ष पछिली एक शताब्दी का सबसे ज्वलंत मुद्दा रहा है। वभिन्नि प्राकृतकि एवं मानवीय आपदाएँ जैसे- भूकंप, बाढ़, युद्ध, जलवायु परविर्तन आदि के कारण पछिली एक शताब्दी में लोगों के वसि्थापन की समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं।
- इनसे नपिटने के लयि अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर वभिन्नि प्रयास कयि जाते रहे हैं।
- शरणार्थी संकटों ने वभिन्नि देशों को प्रभावति कयिा है जसिमें भारत भी शामलि है। भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र इसी प्रकार की समस्या से जूझ रहा है।
- 'स्टेप वदि रफि्यूजी' अभयिान वैश्वकि स्तर पर शरणार्थयिों के संबंध में बेहतर समझ बनाने और शरणार्थयिों की रक्षा के लयि धन जुटाने में सहायता करेगा।

स्रोत- द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/step-with-refugees